सिय्योन से, जो परम सुन्दर है, परमेश्वर ने अपना तेज दिखाया है

–भजन 50:2

The Westminster Tradition
FOR THE ADVANCEMENT OF THE REFORMED FAITH

इसलिये कि जो इस्त्राएल के हैं, वे सब इस्त्राएली नहीं

–रोमियों 9:6b

"क्योंकि मैं परमेश्वर के सारे परामर्श को तुम्हें पूरी रीति से बताने से दूर नहीं रहा ।"

–प्रेरितों 20:27

भविष्यवक्ताओं एवं प्रेरितों के पवित्रशास्त्र के अनुसार सुसमाचार का प्रचार करना, जिन सिद्धान्तों ने प्रोटेस्टेन्ट रिफर्मेशन को प्रज्वलित किया उसको घोषित करना, अनुग्रह की शिक्षाओं में विश्वासपूर्वक पंक्तिबद्ध होना, अनुभविक केल्विनिजम का अभ्यास करना, और अन्तिम धर्मत्याग की गलत शिक्षाओं का भंडाफोड़ करना

व्यवस्थित बाइबिल पढ़ने का कैलेंडर

जनवरी *और उसने यहोवा पर विश्वास किया; और उसने इसको उसके लिये धार्मिकता गिना ।* *उत्पत्ति 15:6*	1 उत्प 1-2 भजन 1	2 उत्प 3-4 भजन 2	3 उत्प 5-8 भजन 3	4 उत्प 9-11 भजन 4	5 उत्प 12-14 भजन 5	6 उत्प 15-17 भजन 6	7 उत्प 18-20 भजन 7
	8 उत्प 21-23 भजन 8	9 उत्प 24-26 भजन 9	10 उत्प 27-30 भजन 10	11 उत्प 31-33 भजन 11	12 उत्प 34-36 भजन 12	13 उत्प 37-40 भजन 13	14 उत्प 41-43 भजन 14
	15 उत्प 44-46 भजन 15	16 उत्प 47-50 भजन 16	17 निर्ग 1-4 भजन 17	18 निर्ग 5-7 भजन 18: भाग 1	19 निर्ग 8-10 भजन 18: भाग 2	20 निर्ग 11-13 भजन 19	21 निर्ग 14-16 भजन 20
	22 निर्ग 17-19 भजन 21	23 निर्ग 20-23 भजन 22	24 निर्ग 24-26 भजन 23	25 निर्ग 27-29 भजन 24	26 निर्ग 30-32 भजन 25	27 निर्ग 33-35 भजन 26	28 निर्ग 36-38 भजन 27
	29 निर्ग 39-40 भजन 28	30 लैव्यव्य 1-3 भजन 29	31 लैव्यव्य 4-6 भजन 30				
फरवरी *क्योंकि शरीर का प्राण लहू में रहता है; और उसको मैंने तुम्हें वेदी पर दिया ताकि तुम्हारे आत्माओं के लिए प्रायश्चित किया जाए; क्योंकि यह लहू ही है जिससे आत्मा के लिए प्रायश्चित होता है ।* *लैव्यव्यवस्था 17:11*	1 लैव्यव्य 7-9 भजन 31	2 लैव्यव्य 10-12 भजन 32	3 लैव्यव्य 13-15 भजन 33	4 लैव्यव्य 16-18 भजन 34	5 लैव्यव्य 19-21 भजन 35	6 लैव्यव्य 22-24 भजन 36	7 लैव्यव्य 25-27 भजन 37: भाग 1
	8 गिनती 1-3 भजन 37: भाग 2	9 गिनती 4-6 भजन 38	10 गिनती 7-8 भजन 39	11 गिनती 9-10 भजन 40	12 गिनती 11-13 भजन 41	13 गिनती 14-15 भजन 42	14 गिनती 16-18 भजन 43
	15 गिनती 19-21 भजन 44	16 गिनती 22-24 भजन 45	17 गिनती 25-27 भजन 46	18 गिनती 28-30 भजन 47	19 गिनती 31-33 भजन 48	20 गिनती 34-36 भजन 49	21 व्यवस्थ 1-3 भजन 50
	22 व्यवस्थ 4-6 भजन 51	23 व्यवस्थ 7-8 भजन 52	24 व्यवस्थ 9-11 भजन 53	25 व्यवस्थ 12-15 भजन 54	26 व्यवस्थ 16-18 भजन 55	27 व्यवस्थ 19-21 भजन 56	28 व्यवस्थ 22-24 भजन 57

** बक्से के तल पर तिर्थकिंत (**Italicised**) भाग भजन संहिता के अलावा गाने के लिए मैट्रिकेटड शासत्र हैं!*

मार्च

...मुझ से यह विनती न कर कि तुझे छोड़कर, या तेरे पीछा करने से वापिस लौट जाऊँ : क्योंकि जिधर तू जाए, उधर मैं भी जाऊँगी, और जहाँ तू रहे वहाँ मैं भी रहूँगी : तेरे लोग मेरे लोग होंगे, और तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर होगा : जहाँ तू मरेगी, मैं भी मरूँगी, और वहीं मुझे दफनाया जाएगा : यदि मृत्यु को छोड़ और किसी कारण मैं तुझ से अलग होऊँ, तो यहोवा मुझ से वैसा ही वरन् उससे भी अधिक करे ।

रूथ 1:16b, 17

1 व्यवस्थ 25-27 भजन 58	2 व्यवस्थ 28-30 भजन 59	3 व्यवस्थ 31-32 भजन 60	4 व्यवस्थ 33-34 भजन 61	5 यहोशू 1-5 भजन 62	6 यहोशू 6-9 भजन 63	7 यहोशू 10-12 भजन 64
8 यहोशू 13-16 भजन 65	9 यहोशू 17-19 भजन 66	10 यहोशू 20-22 भजन 67	11 यहोशू 23-24 भजन 68: भाग 1	12 न्यायि 1-2 भजन 68: भाग 2	13 न्यायि 3-5 भजन 69: भाग 1	14 न्यायि 6-8 भजन 69: भाग 2
15 न्यायि 9-10 भजन 70	16 न्यायि 11-12 भजन 71	17 न्यायि 13-16 भजन 72	18 न्यायि 17-18 भजन 73	19 न्यायि 19-21 भजन 74	20 रूथ 1-4 भजन 75	21 I शमू 1-3 भजन 76
22 I शमू 4-7 भजन 77	23 I शमू 8-12 भजन 78: भाग 1	24 I शमू 13-16 भजन 78: भाग 2	25 I शमू 17-18 भजन 78: भाग 3	26 I शमू 19-20 भजन 79	27 I शमू 21-23 भजन 80	28 I शमू 24-27 भजन 81
29 I शमू 28-31 भजन 82	30 II शमू 1-3 भजन 83	31 II शमू 4-6 भजन 84				

अप्रैल

और जब तेरे दिन पूरे हो जायेंगे,और तू अपने पुरखाओं के संग सो जाएगा, मैं तेरे बीज को तेरे बाद दृढ़ करूँगा, जो तेरे अंश से आगे बढ़ेगा, और उसके राज्य को स्थिर करूँगा । मेरे नाम का घर वही बनाएगा, और मैं उसके राज्य में सिंहासन को सदा के लिए स्थिर रखूँगा ।

II शमूएल 7:12,13

1 II शमू 7-10 भजन 85	2 II शमू 11-12 भजन 86	3 II शमू 13-15 भजन 87	4 II शमू 16-18 भजन 88	5 II शमू 19-21 भजन 89: भाग 1	6 II शमू 22-24 भजन 89: भाग 2	7 I राज 1-2 भजन 89: भाग 3
8 I राज 3-5 भजन 90	9 I राज 6-7 भजन 91	10 I राज 8-9 भजन 92	11 I राज 10-11 भजन 93	12 I राज 12-14 भजन 94	13 I राज 15-17 भजन 95	14 I राज 18-20 भजन 96
15 I राज 21-22 भजन 97	16 II राज 1-3 भजन 98	17 II राज 4-5 भजन 99	18 II राज 6-8 भजन 100	19 II राज 9-11 भजन 101	20 II राज 12-14 भजन 102	21 II राज 15-17 भजन 103
22 II राज 18-20 भजन 104	23 II राज 21-23 भजन 105: भाग 1	24 II राज 24-25 भजन 105: भाग 2	25 I इति 1-3 भजन 106: भाग 1	26 I इति 4-6 भजन 106: भाग 2	27 I इति 7-9 भजन 107: भाग 1	28 I इति 10-12 भजन 107: भाग 2
29 I इति 13-15 भजन 108	30 I इति 16-18 भजन 109					

मई

यदि मेरे लोग, जो मेरे नाम से बुलाए जाते हैं, अपने आप को दीन करें, और प्रार्थना करें, और मेरे दर्शन को खोजे, और अपनी बुरी चालों से फिरें : तब मैं स्वर्ग में से सुनुगाँ, और पाप क्षमा करूँगा, और उनके देश को चंगा करूँगा ।

2 इतिहास 7:14

1 I इति 19-22 भजन 110	2 I इति 23-24 भजन 111	3 I इति 25-27 भजन 112	4 I इति 28-29 भजन 113	5 II इति 1-4 भजन 114	6 II इति 5-7 भजन 115	7 II इति 8-10 भजन 116
8 II इति 11-13 भजन 117	9 II इति 14-16 भजन 118	10 II इति 17-19 भजन 119:1-8 *गिनती 23:8-10*	11 II इति 20-23 भजन 119:9-16 *गिनती 23:19-24*	12 II इति 24-27 भजन 119:17-24 *गिनती 24:5-9*	13 II इति 28-30 भजन 119:25-32 *गिनती 24:17-19*	14 II इति 31-32 भजन 119:33-40 *व्यवस्थ 33:26-29*
15 II इति 33-34 भजन 119:41-48 *लूका 1:46-55*	16 II इति 35-36 भजन 119:49-56 *लूका 1:68-75*	17 एज्रा 1-3 भजन 119:57-64 *युहन्ना 3:16*	18 एज्रा 4-6 भजन 119:65-72 *रोमि 11:33-36*	19 एज्रा 7-8 भजन 119:73-80 *रोमि 16:25-27*	20 एज्रा 9-10 भजन 119:81-88 *II कूरि 13:14*	21 नहेम्या 1-4 भजन 119:89-96 *इफ़िसि 2:1-10*
22 नहेम्या 5-7 भजन 119:97-104 *इफ़िसि 3:20-21*	23 नहेम्या 8-10 भजन 119:105-112 *फ़िलि 2:5-11*	24 नहेम्या 11-13 भजन 119:113-120 *1 थिस्स 3:11-13*	25 एस्तेर 1-4 भजन 119:121-128 *1 तीमु 1:17*	26 एस्तेर 5-7 भजन 119:129-136 *इब्रा 13:20-21*	27 एस्तेर 8-10 भजन 119:137-144 *यहूदा 24-25*	28 अय्यूब 1-2 भजन 119:145-152 *प्रकाश 1:5-6*
29 अय्यूब 3-5 भजन 119:153-160 *प्रकाश4:11*	30 अय्यूब 6-8 भजन 119:161-168 *प्रकाश15:3-4*	31 अय्यूब 9-11 भजन 119:169-176 *प्रकाश19:6-8*				

जून

क्योंकि मैं जानता हूँ कि मेरा उद्धारक जीवित है, और वह अंतिम दिनों में पृथ्वी पर खड़ा होगा : और यद्यपि मेरी त्वचा के बाद कीड़े इस शरीर को नष्ट करे, तौभी मैं शरीर में होकर परमेश्वर को देखूँगा ।

अय्यूब 19:25,26

1 अय्यूब 12-14 भजन 120	2 अय्यूब 15-18 भजन 121	3 अय्यूब 19-21 भजन 122	4 अय्यूब 22-24 भजन 123	5 अय्यूब 25-28 भजन 124	6 अय्यूब 29-31 भजन 125	7 अय्यूब 32-34 भजन 126
8 अय्यूब 35-37 भजन 127	9 अय्यूब 38-39 भजन 128	10 अय्यूब 40-42 भजन 129	11 नीति 1-2 भजन 130	12 नीति 3-4 भजन 131	13 नीति 5-6 भजन 132	14 नीति 7-8 भजन 133
15 नीति 9-10 भजन 134	16 नीति 11-12 भजन 135	17 नीति 13-14 भजन 136	18 नीति 15-16 भजन 137	19 नीति 17-18 भजन 138	20 नीति 19-20 भजन 139	21 नीति 21-22 भजन 140
22 नीति 23-24 भजन 141	23 नीति 25-26 भजन 142	24 नीति 27-28 भजन 143	25 नीति 29-30 भजन 144	26 नीति 31 भजन 145	27 सभोप 1-2 भजन 146	28 सभोप 3-5 भजन 147
29 सभोप 6-8 भजन 148	30 सभोप 9-12 भजन 149					

जुलाई *परन्तु वह हमारे अपराधों के लिये घायल हुआ था, वह हमारे अधर्म के लिये कुचला गया : हमारी शांति के लिये उस पर ताड़ना थी; और उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गये । हम सब भेड़ों के समान भटक गये; हम में से हर एक अपने रास्ते पलट गये; और यहोवा ने हम सभी के अधर्म को उस पर लाद दिया ।* *यशायाह 53:5,6*	1 श्रेष्ठग 1-3 भजन 150	2 श्रेष्ठग 4-6 भजन 1	3 श्रेष्ठग 7-8 भजन 2	4 यशाय 1-4 भजन 3	5 यशाय 5-7 भजन 4	6 यशाय 8-10 भजन 5	7 यशाय 11-12 भजन 6
	8 यशाय 13-14 भजन 7	9 यशाय 15-18 भजन 8	10 यशाय 19-21 भजन 9	11 यशाय 22-24 भजन 10	12 यशाय 25-26 भजन 11	13 यशाय 27-29 भजन 12	14 यशाय 30-32 भजन 13
	15 यशाय 33-35 भजन 14	16 यशाय 36-39 भजन 15	17 यशाय 40-42 भजन 16	18 यशाय 43-45 भजन 17	19 यशाय 46-47 भजन 18: भाग 1	20 यशाय 48-50 भजन 18: भाग 2	21 यशाय 51-53 भजन 19
	22 यशाय 54-56 भजन 20	23 यशाय 57-59 भजन 21	24 यशाय 60-62 भजन 22	25 यशाय 63-64 भजन 23	26 यशाय 65-66 भजन 24	27 निर्मय 1-2 भजन 25	28 निर्मय 3-5 भजन 26
	29 निर्मय 6-8 भजन 27	30 निर्मय 9-11 भजन 28	31 निर्मय 12-14 भजन 29				
अगस्त *क्योंकि यहोवा यह कहता है, कि बेबीलोन में सत्तर सालों के पूर्ण होने के पश्चात मैं तुम्हें मिलने आऊँगा, और मेरा अच्छा शब्द तुम्हारे तरफ पूरा करूँगा, कि तुम्हें इस स्थान में लौटा ले आऊँगा । यहोवा कहता है कि मैं जानता हूँ कि मेरी सोच तुम्हारी तरफ है, सोच जो शांति के लिये है नकि बुरे के लिये, ताकि अन्त में तुम्हारी एक आशा पुरी करूँ ।* *यिर्मयाह 29:10,11*	1 निर्मय 15-17 भजन 30	2 निर्मय 18-20 भजन 31	3 निर्मय 21-22 भजन 32	4 निर्मय 23-25 भजन 33	5 निर्मय 26-28 भजन 34	6 निर्मय 29-31 भजन 35	7 निर्मय 32-34 भजन 36
	8 निर्मय 35-36 भजन 37: भाग 1	9 निर्मय 37-39 भजन 37: भाग 2	10 निर्मय 40-42 भजन 38	11 निर्मय 43-45 भजन 39	12 निर्मय 46-49 भजन 40	13 निर्मय 50-51 भजन 41	14 निर्मय 52 भजन 42
	15 विलाप 1-2 भजन 43	16 विलाप 3 भजन 44	17 विलाप 4-5 भजन 45	18 यहेजके 1-3 भजन 46	19 यहेजके 4-7 भजन 47	20 यहेजके 8-11 भजन 48	21 यहेजके 12-14 भजन 49
	22 यहेजके 15-16 भजन 50	23 यहेजके 17-19 भजन 51	24 यहेजके 20-22 भजन 52	25 यहेजके 23-25 भजन 53	26 यहेजके 26-28 भजन 54	27 यहेजके 29-30 भजन 55	28 यहेजके 31-32 भजन 56
	29 यहेजके 33-35 भजन 57	30 यहेजके 36-37 भजन 58	31 यहेजके 38-39 भजन 59				
सितंबर *पिछले भवन से इसके बाद वाले भवन की महिमा बड़ी होगी, सेनाओं के यहोवा कहते हैं : और इस स्थान में मैं शाँति दूँगा, सेनाओं के यहोवा कहते हैं ।* *हागै 2:9*	1 यहेजके 40-42 भजन 60	2 यहेजके 43-45 भजन 61	3 यहेजके 46-48 भजन 62	4 दानि 1-3 भजन 63	5 दानि 4-6 भजन 64	6 दानि 7-8 भजन 65	7 दानि 9-10 भजन 66
	8 दानि 11-12 भजन 67	9 होशे 1-3 भजन 68: भाग 1	10 होशे 4-7 भजन 68: भाग 2	11 होशे 8-11 भजन 69: भाग 1	12 होशे 12-14 भजन 69: भाग 2	13 योएल 1-3 भजन 70	14 आमोस 1-3 भजन 71
	15 आमोस 4-6 भजन 72	16 आमोस 7-9 भजन 73	17 ओबद्य भजन 74	18 योना 1-4 भजन 75	19 मीका 1-4 भजन 76	20 मीका 5-7 भजन 77	21 नहूम 1-3 भजन 78: भाग 1
	22 हबक्कू 1-3 भजन 78: भाग 2	23 सपन्य 1-3 भजन 78: भाग 3	24 हागै 1-2 भजन 79	25 जकर्या 1-4 भजन 80	26 जकर्या 5-7 भजन 81	27 जकर्या 8-10 भजन 82	28 जकर्या 11-14 भजन 83
	29 मला 1-4 भजन 84	30 मत्ती 1-4 भजन 85					
अक्टूबर *परन्तु पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करो; और यह सब वस्तुएँ तुम से जुड़ जाऐंगे ।* *मत्ती 6:33*	1 मत्ती 5-7 भजन 86	2 मत्ती 8-10 भजन 87	3 मत्ती 11-12 भजन 88	4 मत्ती 13-15 भजन 89: भाग 1	5 मत्ती 16-18 भजन 89: भाग 2	6 मत्ती 19-20 भजन 89: भाग 3	7 मत्ती 21-23 भजन 90
	8 मत्ती 24-25 भजन 91	9 मत्ती 26-28 भजन 92	10 मरकुस 1-3 भजन 93	11 मरकुस 4-5 भजन 94	12 मरकुस 6-7 भजन 95	13 मरकुस 8-9 भजन 96	14 मरकुस 10-11 भजन 97
	15 मरकुस 12-13 भजन 98	16 मरकुस 14 भजन 99	17 मरकुस 15-16 भजन 100	18 लूका 1-2 भजन 101	19 लूका 3-5 भजन 102	20 लूका 6-7 भजन 103	21 लूका 8-9 भजन 104: भाग 1
	22 लूका 10-11 भजन 104: भाग 2	23 लूका 12-13 भजन 105: भाग 1	24 लूका 14-16 भजन 105: भाग 2	25 लूका 17-19 भजन 106: भाग 1	26 लूका 20-21 भजन 106: भाग 2	27 लूका 22-24 भजन 107: भाग 1	28 यूहन्न 1-3 भजन 107: भाग 2
	29 यहून्न 4-5 भजन 108	30 यहून्न 6-7 भजन 109	31 यहून्न 8-10 भजन 110				

नवंबर							
परन्तु हम क्रूसित मसीह का प्रचार करते हैं, जो यहूदियों के लिये ठोकर, और यूनानी के लिये मूर्खता हैं; परन्तु जिन्हें बुलाया गया है, दोनों यहूदियों और यूनानी को, मसीह परमेश्वर की शक्ति और परमेश्वर की बुद्धि है । *I कुरिन्थियों 1:23,24*	1 यूहन्ना 11-13 भजन 111	2 यूहन्ना 14-17 भजन 112	3 यूहन्ना 18-19 भजन 113	4 यूहन्ना 20-21 भजन 114	5 प्रेरित 1-2 भजन 115	6 प्रेरित 3-5 भजन 116	7 प्रेरित 6-8 भजन 117
	8 प्रेरित 9-11 भजन 118	9 प्रेरित 12-14 भजन 119:1-8 *गिनती 23:8-10*	10 प्रेरित 15-17 भजन 119:9-16 *गिनती 23:19-24*	11 प्रेरित 18-20 भजन 119:17-24 *गिनती 24:5-9*	12 प्रेरित 21-23 भजन 119:25-32 *गिनती 24:17-19*	13 प्रेरित 24-26 भजन 119:33-40 *व्यवस्था 33:26-29*	14 प्रेरित 27-28 भजन 119:41-48 *लूका 1:46-55*
	15 रोमि 1-2 भजन 119:49-56 *लूका 1:68-75*	16 रोमि 3-5 भजन 119:57-64 *यहून्ना 3:16*	17 रोमि 6-8 भजन 119:65-72 *रोमि 11:33-36*	18 रोमि 9-11 भजन 119:73-80 *रोमि 16:25-27*	19 रोमि 12-14 भजन 119:81-88 *II कुरि 13:14*	20 रोमि 15-16 भजन 119:89-96 *इफिसि 2:1-10*	21 I कुरि 1-4 भजन 119:97-104 *इफिसि 3:20-21*
	22 I कुरि 5-8 भजन 119:105-112 *फिलि 2:5-11*	23 I कुरि 9-11 भजन 119:113-120 *I थिस्स 3:11-13*	24 I कुरि 12-14 भजन 119:121-128 *I तीम 1:17*	25 I कुरि 15-16 भजन 119:129-136 *इब्रा 13:20-21*	26 II कुरि 1-3 भजन 119:137-144 *यहूदा 24-25*	27 II कुरि 4-6 भजन 119:145-152 *प्रकाशि 1:5-6*	28 II कुरि 7-10 भजन 119:153-160 *प्रकाशि 4:11*
	29 II कुरि 11-13 भजन 119:161-168 *प्रकाशि 15:3-4*	30 गलति 1-3 भजन 119:169-176 *प्रकाशि 19:6-8*					

दिसंबर							
क्योंकि मनुष्य स्वयं से प्रेम करनेवाले, लोभी, डींगमार, घमण्डी, निन्दक, माता-पिता की आज्ञा न माननेवाले, कृतघ्न, अपवित्र होंगे । *II तीमुथियुस 3:2*	1 गलति 4-6 भजन 120	2 इफिसि 1-3 भजन 121	3 इफिसि 4-6 भजन 122	4 फिलि 1-4 भजन 123	5 कुलुस्सि 1-4 भजन 124	6 I थिस्स 1-5 भजन 125	7 II थिस्स 1-3 भजन 126
	8 I तीमु 1-3 भजन 127	9 I तीमु 4-6 भजन 128	10 II तीमु 1-4 भजन 129	11 तीतुस 1-3 भजन 130	12 फिलेम भजन 131	13 इब्रा 1-4 भजन 132	14 इब्रा 5-7 भजन 133
	15 इब्रा 8-10 भजन 134	16 इब्रा 11-13 भजन 135	17 याकूब 1-5 भजन 136	18 I पतरस 1-5 भजन 137	19 II पतरस 1-3 भजन 138	20 I यूहन्ना 1-5 भजन 139	21 II यूहन्ना भजन 140
	22 III यूहन्ना भजन 141	23 यहूदा भजन 142	24 प्रका 1-3 भजन 143	25 प्रका 4-6 भजन 144	26 प्रका 7-9 भजन 145	27 प्रका 10-12 भजन 146	28 प्रका 13-15 भजन 147
	29 प्रका 16-18 भजन 148	30 प्रका 19-20 भजन 149	31 प्रका 21-22 भजन 150				

- अधिक्तर अंग्रेजी भाषा के पवित्रशास्त्रों के संस्करणों के मध्य में, हमें विश्वास है कि केवल अथोराइज्ड वर्शन ही हम लोगों को आत्मिक रूप से जागरूत और नवीकरण कर सकता है क्योंकि इसका अनुवाद प्रमाणिक और विश्वसनीय मेनुस्क्रिप्टस् (हस्तलिपि) से किया गया है। (पुराने संस्करण के पुनर्मुद्रण के अलावा जैसे जिनेवा बाईबल, मत्ती का बाईबल और विलियम टिण्डेल का नया नियम अनुवाद, जिन सबका अनुवाद इसी मेनुस्क्रिप्टस् के द्वारा हुआ है ।) नया नियम ट्रेडिशनल टेक्स्ट (टेक्सटस रेसेप्टस या रिसिवड् टेक्स्ट) पर आधारित है जबकि पुराना नियम हिब्रु मेसोरेटिक टेक्स्ट पर आधारित है ।
- मानक सिद्धांत के विरोध के रूप में नियामक सिद्धांत मे दृढ़ रहते हुए, हम सार्वजनिक आराधना के स्थान पर स्त्रोत के लिए मैट्रिकेटड पवित्रशास्त्र, विशेषतोर से भजन संहिता का प्रयोग करते है । इस सिद्धान्त की मूल तत्व यह है कि सार्वजनिक आराधना सेवा और इकट्ठा के प्रत्येक पक्ष के लिये पवित्रशास्त्र की अनुमति होनी चाहिए । (देखे लेव्यव्यवस्था 10:1-3, इब्राइनियो 8:5b)
- धार्मिक पंथ के अनुसार, हम वेस्ट मिन्स्टर कन्फेशन ऑफ फेथ (ई.प.1646, मूल वर्जन) और द केम्ब्रिज प्लेटफार्म (ई.प.1648), द सेप्रेटिस्ट प्युरिटनस् (पिलिग्रिम फादर्स, आधुनिक अमेरिका के वास्तविक संस्थापकों के साथ, जो यीशु मसीह के बहाये हुए और छिड़के हुए लहु के द्वारा परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार का सच्चा अनुयायियों है) का सावधान पुस्तिका का समर्थन करते है ।
- पवित्र शास्त्र विश्वास और जीवन के लिए पूरी तरह से पर्याप्त नियम है । इसलिए सभी मसीह लोग चाहे कोई भी सामाजिक प्रसंग और भौगोलिक पृष्ठभूमि से हो सिर्फ बाइबिल की संस्कृति के द्वारा नियंत्रित होने के लिए सीमित (बाध्य) है इसके समेत प्रचार की प्रमुखता और प्रभु के दिन को पवित्र मानना जो सप्ताह का प्रथम दिन है; प्रभु के दिन को ईसाई विश्राम (जो सृष्टि के विश्राम से अलग है; निर्गमन 20:11 और व्यवस्थाविवरण 5:15 के बीच के अन्तर पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है; यह भी देखें भजन संहिता 118:24, इब्राइनियों 4:8-10) भी कहा जाता है ।
- हम वेस्टमिन्स्टर के सिद्धांतविदों के साथ निश्चित करते है कि पवित्र शास्त्र के पवित्र विषयों को बचानेवाले समझ के लिए परमेश्वर के आत्मा की अंदरूनी रोशनी की आवश्यकता है । [(अध्याय 1, (VI)] *"मेरा मुकदम्मा लड़, और मुझे बचा लेः अपने वचन के अनुसार मुझ को जिला । उद्धार दुष्टों से दुर हैः क्योंकि वे तेरी विधियों को नहीं ढूँढते"* (भजन संहिता 119:154,155) ।

ईमेल: **westminster.tradition@gmail.com** *वेब्साइट:* **http://westminstertradition.wordpress.com**